

ANDHRA PRADESH

RECRUITMENT OF ASSISTANT PROFESSORS IN THE UNIVERSITY
SYLLABUS FOR THE SCREENING TEST

SANSKRIT

SUBJECT CODE - 58

1. वैदिक साहित्य

देवता :

अग्नि ; सवितृ ; विष्णु ; इन्द्र ; रुद्र ; बृहस्पति ; अश्विनी ; वरुण ; उषस् ; सोम

विषय-वस्तु :

संहिताएँ ; ब्राह्मण एवं आरण्यक ; उपनिषद्

सम्वाद सूक्त :

पुरुवा—उर्वशी ; यम—यमी ; सर्मा—पणि ; विश्वामित्र—नदी

वैदिक साहित्य का इतिहास :

वैदिक काल के विषय में विभिन्न सिद्धान्त—मैक्समूलर ; ए० वेबर ; जैकोबी ; बालगंगाधर तिलक ; एम्०
विन्टरनिट्ज ; भारतीय परम्परागत विचार

ऋग्वेद का क्रम

संहिताओं के पाठ-भेद

वेदांग :

शिक्षा : कल्प ; व्याकरण ; निरुक्त ; छन्द ; ज्योतिष

2. दर्शन

ईश्वरकृष्ण की सांख्यकारिका :

सत्कार्यवाद ; पुरुष-स्वरूप ; प्रकृति-स्वरूप ; सृष्टिक्रम ; प्रत्ययसर्ग ; कैवल्य

सदानन्द का वेदान्तसार :

अनुबन्ध-चतुष्टय ; अज्ञान ; अध्यारोप-अपवाद ; लिंगशरीरोत्पत्ति ; पंजीकरण ; विवर्त ; जीवनमुक्ति

केशवमिश्र की तर्कभाषा/अन्नंभट्ट का तर्कसंग्रह :

पदार्थ ; कारण ; प्रमाण—प्रत्यक्ष ; अनुमान ; उपमान ; शब्द

3. व्याकरण एवं भाषाविज्ञान

व्याकरण :

परिभाषाएँ—संहिता ; गुण ; वृद्धि ; प्रातिपदिक ; नदी ; घि ; उपधा ; अपृक्त ; गति ; पद ; विभाषा ;
सवर्ण ; टि ; प्रगुह्य ; सर्वनाम-स्थान ; निष्ठा

कारक : सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार

समास : लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार

भाषाविज्ञान :

भाषा की परिभाषा एवं प्रकार (परिवारमूलक एवं आकृतिमूलक)

भाषाओं का वर्गीकरण

भाषा प्रक्रिया एवं ध्वनियों का वर्गीकरण : स्पर्श, संघर्षी, अर्धस्वर एवं स्वर

ध्वनि सम्बन्धी नियम

भारतीय आर्यभाषा की तीन अवस्थाएँ

4. संस्कृत साहित्य एवं काव्यशास्त्र

निम्नलिखित ग्रन्थों का सामान्य अध्ययन :

पद्य : रघुवंश ; मेघदूत ; किरातार्जुनीय ; शिशुपालवध ; नैषधीयचरित ; बुद्धचरित

गद्य : दशकुमारचरित ; हर्षचरित ; कादम्बरी

नाटक : स्वप्नवासवदत्ता ; अभिज्ञानशाकुन्तल ; मृच्छकटिक ; उत्तररामचरित ; मुद्राराक्षस ; रत्नावली ; वेणीसंहार

काव्यशास्त्र :

साहित्यदर्पण :

काव्य की परिभाषा

काव्य की अन्य परिभाषाओं का खण्डन

शब्दशक्ति—संकेतग्रह ; अभिधा ; लक्षणा ; व्यञ्जना

रस (रस-भेद स्थायी भावों सहित)

रूपक के प्रकार

नाटक के लक्षण

महाकाव्य के लक्षण